an>

Title: Regarding starting a system of collecting money directly from the common people with mobile phones to help peoples affected from natural disaster.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : अध्यक्ष महोदया, मैं अति महत्व के विषय को आपके माध्यम से सदन के सामने लाना चाहता हूं। अभी पिछले दिनों चेन्नई में लगातार और असामयिक वर्षा से वहां का समूचा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और वहां की पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई। समूची व्यवस्था को पटरी पर लाने में काफी समय लग जायेगा। वहां की आदरणीय मुख्यमंत्री अम्मा ने अपने स्तर से काफी प्रयास वहां पर प्रारम्भ किये। हमारे देश के संवेदनशील प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने भी तत्परता से चेन्नई में वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में मदद करने के लिए अपने कदम आगे बढ़ाये। माननीय सांसदों के द्वारा भी इस सम्बन्ध में पहल प्रारम्भ की गई।

हमारे देश के किसी भी हिस्से में कोई भी प्राकृतिक आपदा हो, चाहे वह उड़ीसा और गुजरात का चक्रवात हो, उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की घटनाएं हों, इस तरह की प्राकृतिक आपदाएं आने पर वहां की राज्य सरकारों और केन्द्र सरकार द्वारा तत्परता से मदद की जाती है। इस सम्बन्ध में पूरे देश के द्वारा अभियान चलाये जाने की आवश्यकता है, जैसे हमारे देश के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया था। इस स्वच्छता अभियान में पूरे देश के विद्यार्थी, कर्मचारी, फिल्मकर्मी, रंगकर्मी, कलाकार, न्यायाधीश तक सभी ने इसमें आकर पहल की थी और अपने देश की एकता का प्रदर्शन किया था।

मैं आपके माध्यम से सदन के सामने रखना चाहता हूं कि हमारे देश में लगभग 70-80 करोड़ मोबाइल का उपभोग करने वाले उपभोगकर्ता हैं। इस सम्बन्ध में एक नीति बनाये जाने की आवश्यकता है। हमारे दूरसंचार विभाग के द्वारा उसका एक कॉमनकोड नम्बर बनाया जाये, जैसे कि 555555 एक नम्बर बनाया जाये और वह नम्बर लगाने पर मोबाइलकर्ता जब फोन लगाएगा तो फोन लगाने पर एक रुपया उससे कट जायेगा। वह एक रुपया कटने पर पूरे देश से लगभग 70-80 करोड़ रुपये एक बार में इकट्ठा हो जायेंगे और पूरे देश की जनता की जनभावनाएं भी उसके साथ जुड़ेंगी। हमारे देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक आपदा आने पर समूचा देश अपनी एकता का प्रदर्शन करते हुए उसमें आगे आने में अपनी मदद भी कर सकेगा।

इस नम्बर के साथ ही साथ कई व्यक्ति ऐसे भी होंगे, जो एक रुपये से ज्यादा मदद करना चाहते हैं तो 555555 नम्बर डॉयल करने के बाद एक, दो या तीन नम्बर डॉयल करके उसमें व्यक्ति 25 रुपये, 50 रुपये या सौ रुपये या पांच सौ रुपये का सहयोग करना चाहता है तो बीप के बाद वह नम्बर डॉयल करने से कर सकेगा। इस तरह से बहुत बड़ी राशि के द्वारा हमारे देश के किसी भी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा आने पर मदद के लिए समूचे देश की भावनाओं को जोड़ा जा सकता है।

मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के लिए देश की जनता का सहयोग जोड़ने के लिए मोबाइल फोन के साथ में इस तरह का नम्बर डॉयल करवाने की व्यवस्था करवाने की शीघ्र व्यवस्था की जाये। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री राजेन्द्र अग्रवाल, श्री रामसिंह राठवा, श्री केशव प्रसाद मौर्य, श्री सतीश कुमार गौतम, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्रीमती अंजू बाला, श्रीमती संतोष अहलावत, श्रीमती रीती पाठक, श्रीमती कृष्णा राज, श्रीमती रंजनबेन भट्ट, श्री पी.पी. चौधरी, श्री गणेश सिंह, डॉ. संजय जायसवाल, श्री देवजी एम. पटेल, श्री अर्जुन राम मेघवाल, श्री शिवकुमार सी. उदासी, श्री आर. ध्रुवनारायण, श्री अश्विनी कुमार चौबे और कुमारी शोभा कारान्दलाजे को डॉ. वीरेन्द्र कुमार के साथ सम्बद्ध होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

इसके लिए मोबाइल ठीक चलना भी चाहिए। श्री सुदीप बन्दोपाध्याय।